इससे थोड़ा दूर के सम्बन्धी के यहाँ जब पत्र लिखेंगे तब अत्यधिक सम्भलकर लिखने की बात होगी। पत्र-लिखना मनुष्य समाज की एक कलात्मक देन भी है। मनुष्य चूंकि एक सामाजिक प्राणी है इसलिए दूसरों के साथ अपना सम्बन्ध किसी न किसी माध्यम से बनाये रखना चाहता है। आजकल तो मोबाइल ने पत्र-लेखन को बहुत प्रभावित कर दिया है, पर यह पूर्णतः सत्य है कि मोबाइल पर प्रायः बात अधूरी रहती है और बहुत कुछ बोला जाता है आत्मीयता नहीं। इसीलिए मनुष्यों के सामाजिक रिश्ते दरक रहे हैं। यह पत्र-लेखक की कुशलता का परिचायक है कि कैसे वह दूरस्थ अपने सम्बन्धियों को अपने घर जैसा माहौल प्रदान करे। सम्भवतः जब पत्र-व्यवहार अधिक होता था तब दूर रहनेवाला व्यक्ति भी अपने को परिवार, घर, और शहर में पाता था। आज भी पत्र-लेखन का महत्त्व कम नहीं हुआ है। सामाजिक पत्रों का महत्त्व तो कभी कम नहीं हो सकता क्योंकि इससे रिश्ते बहुत करीब होते हैं, प्यार पनपता है, आत्मीयता बढ़ती है। इस प्रकार सामाजिक पत्रों का महत्त्व सर्वोपरि है।

[illegible]

14.9.20